Pop. Resource Regions

विश्व में तीव्र गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण जनसंख्या तथा संसाधनों के मध्य अन्तर्सम्बन्धों का आकलन अत्यन्त आवश्यक हो गया है। विश्व के एक भाग में जहाँ जनसंख्या द्वारा संसाधनों का उत्पादन एवं नवीनीकरण तेजी से हो रहा है, वहीं इतनी ज्यादा जनसंख्या तो तीव्र गति से बढ़ रही है, लेकिन संसाधनों के उत्खनन एवं विकास की गति अत्यन्त मन्द है। जनसंख्या एवं संसाधन के उपयोग एवं भण्डारण हेतु जहाँ के सम्बन्ध की जानकारी हेतु विश्व को जनसंख्या संसाधन प्रदेशों में विभक्त करने का प्रयास किया गया है।

Bases

1. जनसंख्या
2. संसाधन उपलब्धता
3. तकनीकी विकास

एडवर्ड एकरमैन ने इन आधारों पर विश्व को चार प्रकारों में बाँटा है :-

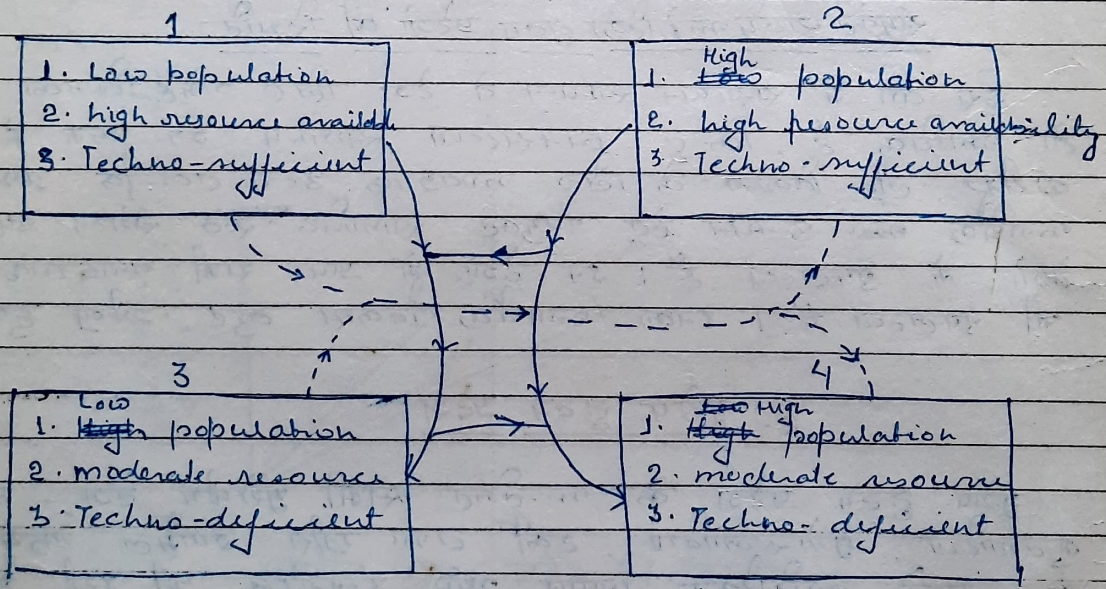

Ackerman System

ये प्रदेश निम्न हैं —

1. The United States Type
2. The Uropean Type
3. The Brazil Type
4. The China or Egypt type
5. The Arctic Desert type (low pop, low resource availability, techno deficient.

1. संयुक्त राज्य अमेरिका तुल्य प्रदेश

संयुक्त राज्य अमेरिका तुल्य प्रदेश के अन्तर्गत संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड तथा सोवियत संघ आदि देश सम्मिलित हैं! कुछ लोग अर्जेन्टाइना के ब्यूनस आयर्स के समीपवर्ती क्षेत्र तथा दक्षिणी अफ्रीका और दक्षिणी रोडेशिया को भी इसके अन्तर्गत सम्मिलित करने के पक्ष में हैं जबकि यह विवादास्पद है।

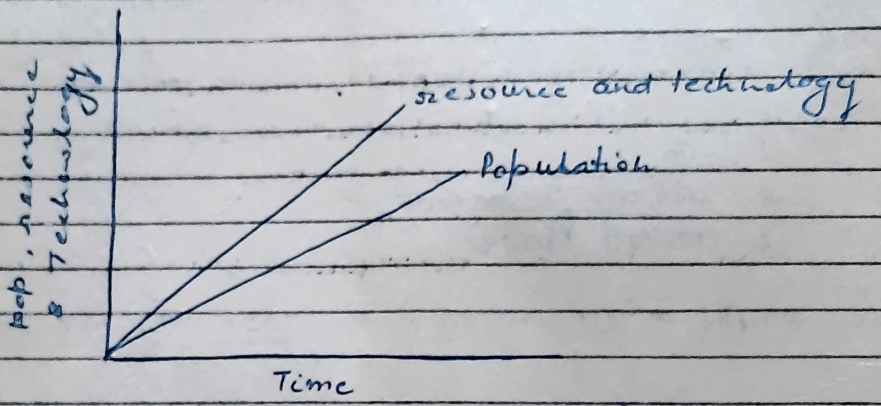

संयुक्त राज्य अमेरिका तुल्य प्रदेशों की स्थिति

इस वर्ग में संसाधन सम्पन्न वे देश लिए गये हैं, जिनका क्षेत्रफल तो अधिक है, किन्तु जनसंख्या सामान्य या कम है। कुशल कारीगर, तीव्र विकास के लिए आवश्यक उच्च तकनीक तथा राष्ट्रीय आर्थिक उन्नयन हेतु उपयुक्त सामाजिक राज्य एवं संगठन उपर्युक्त देशों में उपलब्ध है। इन देशों में प्रायः सभी आवश्यक संसाधन भी उपलब्ध हैं। इनका आर्थिक विकास बहुत शीघ्र हुआ है।

2. यूरोप तुल्य प्रदेश

यूरोप तुल्य प्रदेश के अन्तर्गत सभी यूरोपीय देश - रूमानिया, बुल्गारिया, युगोस्लाविया, टर्की तथा ग्रीस शामिल किये गये हैं, इसके अतिरिक्त जापान और इजराइल भी इसी श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं।

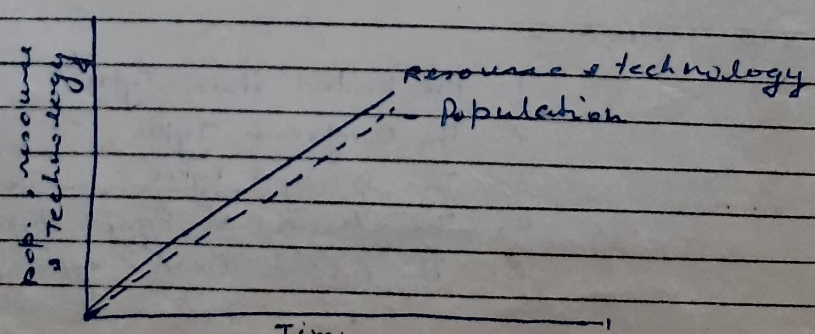

यूरोप तुल्य प्रदेशों की स्थिति

इसमें जनसंख्या, तकनीकी विशेषतायें एवं संसाधनों की सम्पोषण क्षमता की दशायें पर्याप्त अनुकूल है। ये देश कुशल श्रमिक तथा सघन जनसंख्या युक्त है। इनके विकास हेतु विद्यमान सामाजिक आर्थिक दशायें तो अनुकूल है किन्तु अल्प क्षेत्रफल वाले ये देश अपने सीमित संसाधनों पर आत्म निर्भर नहीं रह सकते। इसी कारण प्रत्येक देश में गहन आर्थिक तन्त्र पाया जाता है। इन देशों की विशेषतायें →

1. नवीन संसाधनों के अन्वेषण
2. कृषि उत्पादन में वृद्धि
3. जल विद्युत के विकास
4. परिवहन के साधनों का विस्तार
5. पर्यटकों को प्रोत्साहन देना
6. शिक्षा तथा सामाजिक संगठनों को उन्नत करना।

3. ब्राजील तुल्य प्रदेश

ब्राजील तुल्य प्रदेश में दक्षिणी पूर्वी एशिया, सहारा के दक्षिण का अफ्रीका, तथा लैटिन अमेरिका के अधिकांश देश सम्मिलित है।

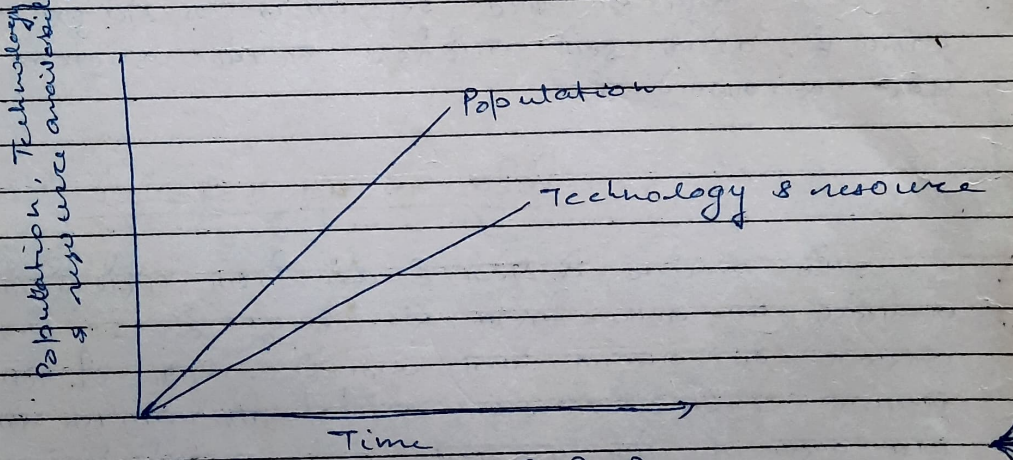

ब्राजील तुल्य प्रदेश की स्थिति

इन देशों की विशेषता है, कि क्षेत्रफल तो अधिक है किन्तु उपलब्ध संसाधनों की तुलना में जनसंख्या अल्पतम है। इसलिए तकनीकी दृष्टि से पिछड़ा होने के बावजूद भी यह देश भाग्यशाली है क्योंकि यहाँ जनसंख्या की कोई समस्या है। जनभार न होने पर इनका जीवन स्तर निम्न है।

4. चीन या इजिप्ट तुल्य प्रदेश

इस प्रकार के प्रदेशों में यूरोप के अल्बानिया, ग्रीस, अफ्रीका अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, मोरक्को, एशिया के चीन, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान तथा लैटिन अमेरिका के इक्वेडोर, पीरू तथा बोलिविया आदि देश सम्मिलित हैं।

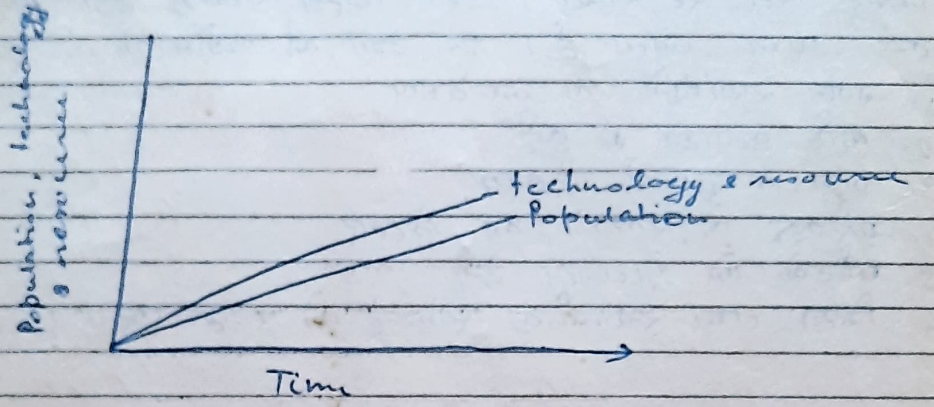

इन देशों में जनसंख्या वहाँ विद्यमान संसाधनों की तुलना में अधिक है। जनसंख्या की वृद्धि अधिक है। उन्नत तकनीकी का अभाव है। फलस्वरूप प्रति व्यक्ति जीवन निर्वाह एवं रोजगार के साधन अल्प हैं।

चीन एवं भारत इस वर्ग के देश होते हुए भी अपवाद स्वरूप हैं, क्योंकि इसमें अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होने की प्रबल सम्भावनायें हैं।

5. आर्कटिक मरुस्थल तुल्य प्रदेश

इसके अन्तर्गत वे प्रदेश हैं जहाँ विषम परिस्थितियों के कारण जनसंख्या का बसाव विरल एवं छिटपुट है। इन देशों में प्रायः जनसंख्या का अभाव पाया जाता है, साथ ही साथ यहाँ संसाधन उपलब्धता तथा तकनीकी का अभाव पाया जाता है। जिस कारण ये देश अत्यन्त पिछड़े रह गये हैं।